एविएशन इंडस्ट्री में बढ़ रहे अवसर

आज क समय म एवएशन इडस्ट्र तजा से बढ़ रही है। ऐसे में अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो,एयरपोर्ट से जुड़े कोर्स आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आपको एयरपोर्ट पर कई भूमिकाओं में काम करने का मौका मिल सकता है जिससे आप अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आप ग्राउंड स्टाफ, केबिन क्रू, कस्टमर सर्विस जैसे कई क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ को एयरपोर्ट पर यात्रियों की मदद करने के लिए तैनात की जाती है। इनका काम होता है यात्रियों का चेक-इन करवाना, बोर्डिंग पास देना और यात्रा से जुड़ी हर आवश्यक जानकारी को बताना। किसी भी यात्री को फ्लाइट के टाइम, गेट नंबर समेत किसी भी चीज से जुड़ी जानकारी चाहिए होती है, तो वे ग्राउंड स्टाफ को संपर्क कर सकते हैं।

केबिन क्रू

केबिन क्रू फ्लाइट के अंदर काम करते हैं। वह यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर फोकस करते हैं। फ्लाइट उड़ने से पहले वह यात्रियों को सारी जानकारी शेयर करते हैं। इसके साथ ही वह यात्रा के दौरान खाना भी



सर्व करते हैं।

एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ

एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ का काम एयरपोर्ट के संचालन को सही तरह से चलाना है. ये फ्लाइट के टेक ऑफ और लैंडिंग की प्लानिंग करते हैं। साथ ही वह यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सुरक्षित तरीके से हो जाए।

सिक्योरिटी स्टाफ

एयरपोर्ट पर मौजूद सिक्योरिटी स्टाफ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते हैं। इनका मुख्य काम यात्रियों और उनके सामान की जांच करना होता है ताकि कोई भी ऐसा सामान फ्लाइट में न जाए जो और यात्रियों के लिए खतरा बन सके।

टेक्निकल जॉब्स

टेक्निकल जॉब्स में वे लोग आते हैं, जो तकनीक से जुड़ा काम संभालते हैं. यानी कि इजाानयर आर एयर ट्राफक कट्राल (एटासा) अधिकारी। इंजीनियर फ्लाइट की मरम्मत का ध्यान रखता है ताकि एयरक्राफ्ट सुरक्षित रहे। वहीं एटीसी अधिकारी हवा में उड़ रहे विमानों को कंट्रोल करते हैं और सुरक्षित तरीके से टेक ऑफ और लैंडिंग करवाते हैं।

एयरपोर्ट पर नौकरी पाने के कई तरीके होते हैं। एयरलाइन कंपनियां अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर वैकेंसी निकालती हैं, जहां से ऑनलाइन आवेदन कर आप इंटरव्यू और ट्रेनिंग के बाद नियुक्त होते हैं। वहीं सरकारी नौकरियों के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी के तहत एग्जाम और इंटरव्यू के जरिए हायरिंग होती है। इसके अलावा थर्ड पार्टी कंपनियां भी ग्राउंड स्टाफ जैसी पोस्ट के लिए करार करती हैं। पर हायर करती हैं, जबकि सिक्योरिटी जॉब के लिए स्पेशल जैसी सरकारी परीक्षा पास करनी होती है.

एयरपोर्ट पर नौकरी के लिए छात्र किसी भी स्ट्रीम से 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद एविएशन से जुड़े कोर्स जैसे डिप्लोमा इन एविएशन हॉस्पिटैलिटी, एयरपोर्ट मैनेजमेंट या ग्राउंड स्टाफ सर्विस कोर्स करना अच्छा होता है. साथ ही इस फील्ड में अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, कॉन्फिडेंस और अच्छी पर्सनालिटी होना बहुत आवश्यक है।

बीमा क्षेत्र में बढ़ रहे अवसर

आजकल बीमा कराने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, और यह प्रवृत्ति जीवन बीमा से लेकर सामान्य बीमा तक सभी क्षेत्रों में स्पष्ट है। इस बढ़ती मांग के साथ, बीमा उद्योग भी अभूतपूर्व गति से विस्तार कर रहा है, जिससे युवाओं के लिए करियर के नए और रोमांचक द्वार खुल रहे हैं। वर्तमान समय में, यह सेक्टर भी बैंकों की तरह बड़े पैमाने पर कार्यबल की तलाश में है।

युवा इस क्षेत्र में अकाउंटिंग, मानव संसाधन (एचआर), मार्केटिंग, ऑपरेशन्स, एक्चुरियल साइंस, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और रिस्क जैसे विभिन्न विभागों में अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी पा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन बीमा प्लेटफॉर्म और नए स्टार्टअप्स भी रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान कर रहे हैं, जो इस क्षेत्र को और भी गतिशील बना रहे हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों तक इस उद्योग में करियर की अपार संभावनाएं बनी रहेंगी।

करियर के अवसरों की बात करें तो, सेल्स में रुचि रखने वाले ग्रेजुएट से लेकर एमबीए तक के युवाओं के लिए पर्यवेक्षक (सुपरवाइजरी), मध्य प्रबंधन (मिडिल



मैनेजमेंट), फ्रंट लाइन सेल्स और लीडरशिप जैसे विभिन्न स्तरों पर भूमिकाएं उपलब्ध हैं। एक्चुरियल सेक्शन एक विशेष क्षेत्र है, जिसके लिए संबंधित विशिष्ट कोर्स और गहरी विश्लेषणात्मक क्षमता की आवश्यकता होती है। फाइनेंस सेक्शन में सीए, अकाउंटिंग या एमबीए फाइनेंस की डिग्री वाले पेशेवरों की मांग रहती है। बीमा कंपनियों द्वारा जमा किए गए पैसे का सही जगह निवेश करने का काम इन्वेस्टमेंट सेक्शन देखता है, जिसके लिए बाजार का गहरा अनुभव होना आवश्यक है। ऑपरेशन सेक्शन बीमा क्षेत्र के नियमन के तहत आता है और इसमें कंप्लायंस, इंटरनल ऑडिट, क्लेम प्रोसेसिंग, रिस्क मैनेजमेंट और लीगल जैसे उप-विभाग शामिल होते हैं, जहां विभिन्न योग्यता वाले पेशेवरों के लिए जगह है।

बीमा उद्योग की एक प्रमुख विशेषता इसकी भविष्योन्मुखी सोच है। कंपनियां अगले 5 से 10 वर्षों में संभावित बदलावों और बाजार की उभरती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई नीतियां और उत्पाद विकसित करती हैं। इसलिए, अनुसंधान और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाता है। जब कंपनियां पेशेवरों को नियुक्त करती हैं, तो वे न केवल उम्मीदवार की योग्यता बल्कि उनकी कार्यक्षमता, सीखने की उत्सुकता और कंपनी के लिए नया क्या कर सकते हैं, इस पर भी ध्यान देती हैं। अतः, युवाओं को केवल अकादमिक डिग्री पर ही नहीं, बल्कि संबंधित क्षेत्र में विशिष्ट कौशल विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सैलरी पैकेज की बात करें तो, एक नए ग्रेजुएट के लिए शुरुआती सालाना पैकेज लगभग 3 लाख रुपए हो सकता है, जिसमें 100 फीसदी तक परफॉर्मेंस इंसेंटिव और बोनस भी शामिल होता है। योग्यता और अनुभव रखने वाले पेशेवरों के लिए शुरुआती सैलरी 8 से 10 लाख रुपए सालाना तक पहुंच सकती है, जबकि इस क्षेत्र में कार्यरत अनुभवी पेशेवरों का पैकेज सालाना 6 से 15 लाख रुपए या उससे भी अधिक हो सकता है।

आईआईएम और बी-स्कूल भी अपना रहे एआई

भारत में प्रबंधन शिक्षा एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उदय पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धतियों को नया आकार दे रहा है। देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) हों या कई निजी बी-स्कूल, सभी अपने विद्यार्थियों को पारंपरिक प्रबंधन सिद्धांतों से आगे बढ़कर इंटेलिजेंट मशीनों के साथ मिलकर काम करने के लिए दक्ष बना रहे हैं। यह बदलाव विपणन, वित्त और मानव संसाधन जैसे मुख्य विषयों में एआई उपकरणों को शामिल करने से लेकर, 'जेनरेटिव एआई', डेटा एनालिटिक्स और जिम्मेदार एआई में विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने तक फैला हुआ है।

यह अनुकूलन इसलिए आवश्यक हो गया है क्योंकि एआई ने व्यापार जगत की गतिशीलता को पूरी तरह से बदल दिया है। जेनरेटिव एआई' ने प्रबंधन शिक्षा के केंद्रीय वादे अनिश्चितता की स्थिति में सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना और भी कठिन बना दिया है। इस चुनौती का सामना करने के लिए संस्थानों ने पहले साल के पाठ्यक्रम में कारोबारी नेताओं के लिए उभरती तकनीकें और एआई विषय पर 30 घंटे का एक विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया है। कुछ अग्रणी बी-



स्कूलों में अब प्रबंधकों के लिए एआई की बुनियादी बातें विषय पर 2-3 महीने का अनिवार्य कोर्स पढ़ाया जाता है, और 'बिजनेस एनालिटिक्स' में एआई एक अहम हिस्सा बन गया है।

वैश्विक बदलावों के साथ कदम मिलाने के लिए, भारत के अधिकांश आईआईएम और यहां तक कि दूसरी श्रेणी के बी-स्कूल भी अब एआई-केंद्रित एमबीए कार्यक्रम पेश कर रहे हैं।वहीं दिग्गजों का मानना है कि एआई को अधिक नैतिक और जिम्मेदार बनाने के लिए, बी-स्कूलों को 'जवाबदेह एआई' पर एक पाठ्यक्रम अनिवार्य करना चाहिए, जिसमें एआई सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ा एक मॉड्यूल भी शामिल हो। इसके अतिरिक्त, वे सुझाव देते हैं कि नए विद्यार्थियों के लिए सत्र की शुरुआत एक कार्यशाला के साथ होनी चाहिए, जिसमें उन्हें चैटजीपीटी, क्लाउड और एआई-आधारित सिमुलेशन जैसे नए दौर के उभरते उपकरणों से परिचित कराया जाए, ताकि सभी विद्यार्थी एक समान जानकारी के स्तर पर आ सकें।

इन परिवर्तनों की आवश्यकता को विभिन्न सर्वेक्षणों से भी बल मिलता है। ग्लोबल एपरेंटिस सर्वे रिपोर्ट 2026, जो 22 डीन और शैक्षणिक प्रमुखों के सर्वेक्षण पर आधारित है, के अनुसार एआई, नियोक्ताओं की बदलती अपेक्षाएं और एमबीए कार्यक्रमों के लिए बदलती मांग भारतीय प्रबंधन स्कूलों के सामने प्रमुख चुनौतियों के रूप में उभर रही हैं। इसी तरह, ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि एआई उपकरणों का इस्तेमाल करना भविष्य में नियोक्ताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण कौशल होगा। यह स्पष्ट है कि भारतीय बी-स्कूलों को एआई-संचालित भविष्य के लिए अगली पीढ़ी के प्रबंधकों को तैयार करने के लिए तेजी से अनुकूलन करना होगा, ताकि वे बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में नेतृत्व कर सकें।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग की मांग बढ़ी

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दौर तेजी से बढ़ रहा है, और इसके साथ ही प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसे नए और रोमांचक करियर विकल्प भी उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग कौशल की मांग में साल 2030 तक लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो इस क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए शानदार अवसर प्रस्तुत करता है। सोशल मीडिया पर एआई द्वारा बनाई गई आकर्षक तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल होते हैं। यदि आपके मन में भी यह सवाल उठता है कि ये कैसे बनते हैं और इनके पीछे क्या कमांड होते हैं, तो इसका सीधा जवाब है - प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग। यह प्रॉम्प्ट इंजीनियर का ही काम होता है जो एआई मॉडल्स को सटीक निर्देश देकर वांछित परिणाम प्राप्त करते हैं।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग को समझने से पहले, एआई इंजीनियरों की भूमिका को समझना महत्वपूर्ण है। एआई इंजीनियर ऐसे आईटी पेशेवर होते हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके सॉफ्टवेयर, इंटेलिजेंट एप्लिकेशन और सिस्टम विकसित करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो, जिस तरह एक सामान्य डेवलपर बेसिक ऐप बनाता है, उसी तरह एआई इंजीनियर ऐसे सिस्टम बनाते हैं जो इंसानों की तरह सीख सकें, सोच सकें और डेटा का विश्लेषण करके निर्णय ले सकें। चैटजीपीटी और गूगल मैप्स जैसी तकनीकें एआई इंजीनियरों द्वारा ही बनाई और बेहतर की जाती हैं, जिनके पास डेटा एल्गोरिदम, न्यूरल नेटवर्क और कोडिंग की गहरी समझ होती है। प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बहुत उच्च स्तरीय कोडिंग या कंप्यूटर साइंस की डिग्री की आवश्यकता नहीं होती है, बल्कि कुछ विशिष्ट कौशल पर ध्यान केंद्रित करना होता है। सबसे पहले, अलग-अलग एआई मॉडल्स और टूल्स की गहरी समझ विकसित करना महत्वपूर्ण है। टेक्स्ट जनरेशन के लिए क्लाउड , जेमिनी और चैटजीपीटी और इमेज जनरेशन के लिए मिडजर्नी जैसे टूल्स के काम करने का तरीका अलग होता है। एक सफल प्रॉम्प्ट इंजीनियर को इन टूल्स की खूबियों और सीमाओं को समझना चाहिए, ताकि वह यह जान सके कि कौन सा मॉडल किस तरह के निर्देशों पर सबसे अच्छी प्रतिक्रिया देता है। दूसरा महत्वपूर्ण कौशल है प्रभावी प्रॉम्प्ट लिखना। एआई से बेहतर और सटीक काम कराने के लिए सही स्टक्चर, कॉन्टेक्स्ट और स्पष्ट निर्देश देना बेहद जरूरी है। इसके लिए फ्यू-शॉट , जीरो-शॉट और चेन-ऑफ-थॉट जैसी उन्नत प्रॉम्प्टिंग तकनीकों का अभ्यास करना चाहिए। जितना स्पष्ट और सटीक निर्देश होगा, एआई उतना ही बेहतर और प्रासंगिक परिणाम देगा। हाई-लेवल कोडिंग से ज्यादा, इस फील्ड में सफल होने के लिए भाषा पर पकड़ और लॉजिकल थिंकिंग (तार्किक सोच) अत्यंत आवश्यक है। एआई आपकी भावनाओं को नहीं, बल्कि भाषा की सटीकता को समझता है। इसलिए अपनी बात को संक्षिप्त, स्पष्ट और बिना किसी अस्पष्टता के लिखना सीखना चाहिए। जटिल समस्याओं को छोटे-छोटे तार्किक हिस्सों में बांटकर एआई को समझाना एक अच्छे प्रॉम्प्ट इंजीनियर की पहचान होती है।

दूसरे बच्चे का स्वागत करने को तैयार है विन्नी अरोड़ा



शादी के 10 साल बाद टीवी एक्ट्रेस विन्नी अरोड़ा ने अपने दूसरे बच्चे की प्रेगनेंसी का ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर विन्नी ने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए इस खुशखबरी को फैंस के साथ साझा किया। काफी समय से उनकी प्रेगनेंसी को लेकर अफवाहें चल रही थीं, जिन पर अब विन्नी के पोस्ट ने विराम लगा दिया है। इस गुड न्यूज से कपल के फैंस और टीवी सेलेब्स बेहद खुश हैं। विन्नी ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह हरे रंग के गाउन में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। कैमरे के सामने पोज देते हुए वह बेहद खुश और उत्साहित नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, एक छोटा सा चमत्कार, फिर से। इस अनाउंसमेंट के बाद टीवी इंडस्ट्री के कई सितारों ने कमेंट सेक्शन में कपल को बधाई दी। वाहबिज दोराबजी ने सरप्राइज जताते हुए शुभकामनाएं दीं, जबकि फलक नाज ने लिखा कि इस बार बेटी होगी। धीरज और विन्नी पहले से ही एक बेटे जैन के पेरेंट्स हैं, जिसका जन्म 10 अगस्त 2022 को हुआ था। अब उनके घर में एक और सदस्य के आने से परिवार में खुशी का माहौल है। हाल ही में कपल ने साथ होने के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया था और अमृतसर के गोल्डन टेंपल की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। धीरज धूपर और विन्नी अरोड़ा की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है। दोनों की पहली मुलाकात साल 2009 में टीवी शो मात पिताह के चरणों में स्वर्ग के सेट पर हुई थी। इस मुलाकात के बाद दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा और लगभग सात साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने 16 नवंबर 2016 को दिल्ली में धूमधाम से शादी की थी। उनकी शादी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित शादियों में से एक थी। काम की बात करें तो धीरज धूपर को ससुराल सिमर का और कुंडली भाग्य जैसे लोकप्रिय टीवी शोज से बड़ी पहचान मिली है। वह आखिरी बार रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में नजर आए थे, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख ने होस्ट किया था। इसके अलावा, धीरज रत्न से है दुआ और शेरदिल शेरगिल जैसे शोज में भी काम कर चुके हैं। वहीं, विन्नी अरोड़ा भी मात पिताह के चरणों में स्वर्ग, इतना करो ना मुझे प्यार, उडान और लाडो वीरपुर की मर्दानी जैसे कई टीवी शोज का हिस्सा रही हैं।

गुजराती फिल्म रफ एंड टफ कव्या को मिला बॉलीवुड सितारों का समर्थन

किसी क्षेत्रीय फिल्म को बॉलीवुड के बड़े सितारों का प्यार और समर्थन मिलना अपने आप में एक खास बात है। इन दिनों गुजराती फिल्म 'रफ एंड टफ कन्या' को लेकर कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। अनन्या बिरला की पहली गुजराती फिल्म, जिसे विड्डला स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है, को बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों का साथ मिल रहा है। मुकेश छाबड़ा, सोनम कपूर, अर्जुन कपूर, शरवरी, हिमेश रेशमिया, भूमि पेडनेकर और प्रतीक गांधी जैसे सितारे फिल्म की तारीफ कर रहे हैं और दर्शकों से इसे सिनेमाघरों में देखने की अपील कर रहे हैं। यह एक दुर्लभ संयोग है जब बॉलीवुड के इतने बड़े नाम किसी गुजराती फिल्म के प्रचार के लिए आगे आए हैं। सोनम कपूर ने गुजराती कॉमेडी फिल्मों के लिए अपना प्यार जाहिर करते हुए अनन्या बिरला को उनकी पहली गुजराती फिल्म के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया, जिससे दर्शकों के बीच भी उत्सुकता बढ़ी। वहीं, अर्जुन कपूर ने फिल्म को वीकेंड का एक शानदार प्लान बताया और पूरी टीम को बधाई देते हुए फिल्म की तारीफ की। शरवरी ने भी फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने अनन्या के बेहतरीन कहानियां बनाने के जुनून की तारीफ की और 'रफ एंड टफ कन्या' को हंसी-मजाक से भरपूर फिल्म बताया। हिमेश रेशमिया और प्रतीक गांधी जैसे कलाकारों ने भी फिल्म को अपना समर्थन दिया है और इसे मनोरंजक बताया है। इस तरह फिल्म को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कई बड़े नामों का प्यार मिल रहा है।



कोई बाहर से आकर गाएगा तो दिक्कत नहीं, मुझसे है: दिलजीत दोसांझ

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कल पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में एक दिलचस्प वाकया सामने आया, जहां उन्होंने अपने गानों पर बार-बार लगने वाली पाबंदियों पर चुप्पी तोड़ी। दिलजीत दोसांझ इन दिनों भारत में अपने 'ऑरा इंडिया टूर' को लेकर चर्चा में हैं। गायक ने मशहूर इंटरनेशनल बैंड कोल्डप्ले का उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई बाहर से आकर ऐसे गाने गाता है तो किसी को दिक्कत नहीं होती, लेकिन उनसे सबको दिक्कत है। सिंगर का पिछला कॉन्सर्ट इंदौर में हुआ था, जहां उन्हें शराब और नशे को बढ़ावा देने वाले चार गाने न गाने का निर्देश जारी किया गया था, जिसकी उन्होंने सरेआम धज्जियां उड़ा दी थीं। इस घटना के कुछ ही दिन बीते थे कि 21 नवंबर को अहमदाबाद में आयोजित कॉन्सर्ट में दिलजीत ने अपने गानों पर पाबंदियों पर सवाल खड़े किए। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हजारों दर्शकों के सामने अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि जब इंटरनेशनल कलाकार भारत आकर ऐसे गाने गाते हैं तो किसी को दिक्कत नहीं होती है। दिलजीत दोसांझ ने जनवरी 2025 में इसी स्टेडियम में हुए कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस कार्यक्रम को देखने के बाद से ही उनके मन में भी इस स्टेडियम में परफॉर्म करने की इच्छा थी।

बातचीत के दौरान दिलजीत ने कोल्डप्ले के मशहूर गाने हिम फॉर द वीकेंड का जिक्र किया। उन्होंने गाने की लाइन आई एम फीलिंग इंक एंड हाई का हवाला देते हुए पूछा कि जब विदेशी बैंड इस तरह के बोल गाता है, तब किसी को परेशानी क्यों नहीं होती? लेकिन जब वह अपने गानों में कुछ ऐसा करते हैं, तो उन पर सवाल उठाए जाने लगते हैं। दिलजीत ने आगे कहा, कोई बाहर से आकर कलाकार गाएगा तो उससे कोई दिक्कत नहीं है। दिलजीत से दिक्कत है। मेरे को कहते हैं कि तू बाहर से आया है और मेरा जन्म तो यहीं हुआ है। मैं कोई होनलूलू में थोड़ी पैदा हुआ हूं।

गणेशः डस्ट टू स्टारडस्ट का गाना रिलीज, माँ के प्रेम को सोनू निगम और सावनी रविंद्र ने दी आवाज

फिल्म गणेशः डस्ट टू स्टारडस्ट के निर्माताओं ने अपना नया गाना आया रिलीज कर दिया है। इस भावुक और सुरीली संगीत रचना को मशहूर गायक सोनू निगम और प्रतिभाशाली गायिका सावनी रविंद्र ने अपनी मधुर आवाज दी है। माँ के निस्वार्थ प्रेम, अनगिनत त्याग, अटूट हिम्मत और बेशुमार देखभाल को समर्पित यह गाना एक ऐसे खूबसूरत एहसास को बयां करता है, जो हर दिल से जुड़ता है। अपनी सुकून देने वाली धुन और दिल को छू लेने वाले संगीत के साथ आया श्रोताओं को एक गहरा भावुक संगीतमय अनुभव देता है। सोनू निगम की खास गायकी और सावनी रविंद्र की भावपूर्ण आवाज मिलकर माँ के प्यार, अपनापन और ममता की गहराई को खूबसूरती से सामने लाती हैं। इस गाने के बोल समीर लालजी पांडे ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत जुनैद कुमार ने तैयार किया है। यह गीत माँ के निस्वार्थ समर्पण और हमारे जीवन को संवारने में उनकी अहम भूमिका को समर्पित एक खूबसूरत श्रद्धांजलि है। यह गाना उस माँ के प्रेम का उत्सव है, जो बिना किसी उम्मीद के सब कुछ देती है, हर मुश्किल में मजबूती से खड़ी रहती है और बिना किसी शर्त के अपने बच्चों से प्यार करती है।